राष्ट्रीय संस्करण

भारत के सबसे सफल टेस्ट कप्तान बने विराट कोहली

>> 14

वर्ष 3 अंक 86

दैनिक जागरण

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, बुधवार, 4 सितंबर 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 16

सरोकार

सुनते रहिए, मुस्कुराते रहिए... कह रहा रेडियो मधुबन

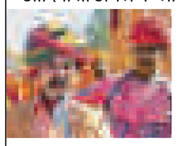

जयपुर : राजस्थान के सिरोही जिले के आदिवासी अंचल के लोगों की सुबह सुनते रहिए, मुस्कुराते रहिए के संदेश से होती है। साथ ही उन्हें दिन भर शिक्षा, स्वास्थ्य की बातें और मनोरंजक कार्यक्रम सुनने को मिलते हैं। यह सब होता है सामुदायिक 90.4 रेडियो मधुबन पर। (पेज-11)

जागरण विशेष

370 हटने के बाद सेना की पहली भर्ती, भारत के जयकारे

जम्मू : जम्मू कश्मीर में सात दिन चलने वाली सेना की भर्ती रैली में 29 हजार युवा भाग लेंगे। मंगलवार को पहले दिन 2500 ने दमखम दिखाया। 'भारत माता की जय' के नारे लगाते इन युवाओं का उत्साह देखते बन रहा है। (पेज-11)

कश्मीर पर आइसीजे में पाक का टिकना मुश्किल

बेपर्दा हुआ पाक ▶ अंतरराष्ट्रीय अदालत में पाक के वकील रहे कुरैशी ने इमरान सरकार को दिखाया आईना

कहा, कश्मीर में कथित जनसंहार के आरोपों को साबित करना कठिन

इस्लामाबाद, एजेंसियां : कश्मीर मसले पर भारत को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आइसीजे) में घसीटने की धमकी देने वाली पाकिस्तान की इमरान खान सरकार को उनके ही वकील ने आईना दिखा दिया है। कुलभूषण जाधव मामले में आइसीजे में पाकिस्तान के वकील रहे खावर कुरैशी ने कहा है कि कश्मीर में कथित जनसंहार के आरोप को साबित करना बेहद मुश्किल होगा।

लंदन में रह रहे खावर कुरैशी ने पाकिस्तानी न्यूज चैनल '92 न्यूज' के एक टॉक शो में कहा, 'आइसीजे संयुक्त राष्ट्र की मुख्य अदालत है। पाकिस्तान और भारत दोनों ने ही 1948 के जनसंहार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। जिस देश ने जनसंहार किया हो, जनसंहार करने वाला हो या जनसंहार रोकने में विफल रहा हो, ऐसे देश के खिलाफ आइसीजे में मुकदमा चलाया जा सकता है। लेकिन इस तरह के सुबूतों के अभाव में पाकिस्तान के लिए इस मामले को आइसीजे में ले जाना बेहद मुश्किल है।'

खावर कुरैशी — फाइल फोटो

मालूम हो कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाए जाने के बाद से पाकिस्तान इस मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकरण करने में जी-जान से जुटा है, लेकिन दुनिया के कई देशों ने इसे भारत का आंतरिक मामला करार दिया है। लिहाजा पाकिस्तान इस मसले पर अलग-थलग पड़ गया है। पाकिस्तान ने अबू धाबी के क्राउन प्रिंस मुहम्मद बिन जायद अल नाहयान, सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान, फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और जॉर्डन के शाह अब्दुल्ला-2 से भी हस्तक्षेप की मांग की थी, लेकिन उसकी कोई कोशिश काम नहीं आई। हालांकि इमरान खान के अमेरिका दौरे के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कश्मीर मसले पर मध्यस्थता के लिए तैयार हो गए थे, लेकिन भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में ट्रंप से हुई मुलाकात में साफ कर दिया कि कश्मीर द्विपक्षीय मसला है जिसके बाद अमेरिका भी भारत के रुख से सहमत हो गया।

इमरान ने फिर सऊदी क्राउन प्रिंस को किया फोन

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने मंगलवार को सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मुहम्मद बिन सलमान को फिर फोन किया और उन्हें कश्मीर के ताजा हालात से अवगत कराया। इससे पहले उन्होंने 27 अगस्त को भी क्राउन प्रिंस से फोन पर बात की थी। सऊदी अरब के विदेश मंत्री अदेल बिन अहमद अल जुबेर बुधवार को एक दिवसीय यात्रा पर पाकिस्तान पहुंच रहे हैं। उल्लेखनीय है कि सऊदी अरब पाकिस्तान को सबसे ज्यादा आर्थिक सहायता प्रदान करता है। यही कारण है कि पाकिस्तान में सऊदी क्राउन के स्वागत में खुद प्रधानमंत्री ड्राइवर तक बन जाते हैं। इस बात को लेकर पूरी दुनिया में इमरान का मजाक उड़ा था।

परमाणु नीति पर पीएम के बयान को विदेश मंत्रालय ने दिखाया ठेंगा

इस्लामाबाद : पाकिस्तान की परमाणु नीति पर प्रधानमंत्री इमरान खान के बयान को उनके ही विदेश मंत्रालय ने ठेंगा दिखा दिया है। इमरान ने कहा था कि हमारी तरफ से कभी पहल नहीं होगी। जबकि पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने साफ किया है कि पाकिस्तान की परमाणु नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। (पेज-13)

भारत से जीवनरक्षक दवाओं के आयात को दी मंजूरी

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाए जाने के बाद पाकिस्तान ने भारत के साथ अपने कारोबारी रिश्ते औपचारिक रूप से निलंबित कर दिए थे। साथ ही बड़ी बड़ी बातें कहीं थीं, लेकिन जब उसे अपने लोगों की जान बचाने के लिए दवाओं की जरूरत पड़ी तो उसे भारत ही याद आया है। इसी कड़ी में पाकिस्तानी वाणिज्य मंत्रालय ने एक वैधानिक नियामक आदेश जारी किया है जिसमें भारत से दवाओं के आयात-निर्यात की अनुमति प्रदान की गई है। बता दें कि पाकिस्तान ने पिछले 16 महीनों में भारत से 3.6 करोड़ डॉलर से ज्यादा की एंटी रैबीज और एंटी वेनम वैक्सीन आयात की हैं। पाकिस्तान और की ज्यादातर जरूरतें भारत से ही पूरी होती हैं, इसके बावजूद पड़ोसी मुल्क अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आता है।

रूस के साथ भारत में सस्ते सैन्य उपकरण बनाएंगे : मोदी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ईस्टर्न इकनॉमिक फोरम (ईईएफ) में भाग लेने के लिए मंगलवार को दो दिवसीय यात्रा पर रूस रवाना हो गह। इससे पहले उन्होंने कहा है कि उनकी रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन के साथ विशेष केमेस्ट्री है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देश तकनीकी हस्तांतरण के इच्छुक हैं, ताकि मिलकर भारत में सस्ते सैन्य हथियार बनाएं और फिर 'तीसरे देशों' को निर्यात कर सकें। उन्होंने कहा, ईस्टर्न इकनॉमिक फोरम में विकास करने का अथाह सामर्थ्य है। मोदी पुतिन के आमंत्रण पर पांचवें ईईएफ सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। वह रूस के सुदूर पूर्व क्षेत्र में जाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री होंगे। (पेज-3)

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

हिंदुओं ने रात में चुपके से रखी थी रामलला की मूर्ति

नई दिल्ली : अयोध्या में विवादित स्थल पर मस्जिद होने का दावा कर रहे पक्ष ने सर्वोच्च न्यायालय में मंगलवार को कहा कि कोई चमत्कार नहीं हुआ था बल्कि हिंदुओं ने 22-23 दिसंबर 1949 को रात के अंधेरे में चुपके से रामलला की मूर्ति अंदर रखी थी। यह एक सुनियोजित हमला था।

नेशनल न्यूज ▶ पृष्ठ 6

छत्तीसगढ़ में पूर्व सीएम अजीत जोगी के पुत्र अमित गिरफ्तार

बिलासपुर : छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के बेटे और जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जकांछ) के प्रदेशाध्यक्ष अमित जोगी को बिलासपुर पुलिस ने सात महीने पुराने एक मामले में मंगलवार सुबह गिरफ्तार कर लिया। अमित को दोपहर में कोर्ट में पेश किया गया है, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

बिजनेस ▶ पृष्ठ 12

एथनॉल की कीमत बढ़ाई, तेल आयात बिल भी होगा कम

नई दिल्ली : एथनॉल की आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने एक बार फिर इसकी कीमत को बढ़ाने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में एथनॉल से संबंधित कई फैसले किए गए। इसमें एक फैसला यह भी था कि सरकारी तेल कंपनियां अब चीनी से बनाए गए एथनॉल की खरीद भी कर सकेंगी।

अंतरराष्ट्रीय ▶ पृष्ठ 13

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री जॉनसन ने संसद में बहुमत खोया

लंदन : ब्रेक्जिट पर मतदान से पहले ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने मंगलवार को संसद में बहुमत खो दिया। उनकी पार्टी के सांसद फिलिप ली यूरोपीय संघ के समर्थक लिबरल डेमोक्रेट्स में शामिल हो गए। जॉनसन जब संसद में भाषण दे रहे थे, उसी दौरान फिलिप विपक्ष के खेमे में चले गए। इससे ब्रेक्जिट को रोकने के लिए विपक्ष के बिल के पारित होने की संभावना बढ़ गई है।

अब जीएसटी रिफंड के लिए होगी सिंगल विंडो

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▶ सितंबर में ही शुरू हो जाएगी सिंगल अथॉरिटी से रिफंड जारी होने की सुविधा

▶ जल्द रिफंड मिलने से निर्यात उत्पादों की मैन्यूफैक्चरिंग को मिलेगा प्रोत्साहन

निर्यातकों को अब वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) रिफंड पाने के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। सरकार कारोबार की प्रक्रिया आसान करने के लिए जल्द ही ऐसा सिस्टम बनाने जा रही है जिसमें सेंट्रल जीएसटी और स्टेट जीएसटी का रिफंड एक साथ एक ही अधिकारी जारी कर सकेगा।

सूत्रों ने कहा कि इसी महीने से सिंगल अथॉरिटी द्वारा जीएसटी रिफंड जारी करने की सुविधा शुरू हो जाएगी। इसके तहत अगर कोई निर्यातक एसजीएसटी अधिकारी के पास रिफंड का दावा करता है, तो वह अधिकारी उसे मंजूरी देकर सीजीएसटी अधिकारी के पास भेज देगा जो अपने स्तर पर ही सीजीएसटी व एसजीएसटी का रिफंड जारी कर देगा। महीने के अंत में केंद्र और राज्य के अधिकारी उसे आपस में एडजस्ट कर लेंगे। इस तरह व्यापारी को रिफंड प्राप्त करने में विलंब नहीं होगा। सिंगल अथॉरिटी के जरिये रिफंड जारी करने की सुविधा के लिए जरूरी दिशानिर्देश तैयार किए जा रहे हैं।

20 सितंबर को गोवा में होने वाली जीएसटी काउंसिल की बैठक में भी इस सुविधा के संबंध में चर्चा की जा सकती है। काउंसिल के अधिकारी इस मुद्दे पर राज्यों के वित्त मंत्रियों के समक्ष विस्तृत प्रजेंटेशन दे सकते हैं।

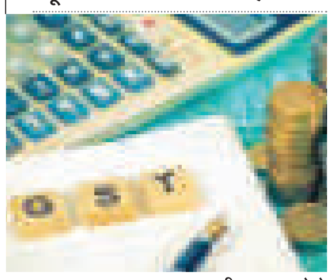

प्रतीकात्मक फोटो

यह सुविधा शुरू करने की जरूरत इसलिए पड़ी है क्योंकि जीएसटी लागू होने के बाद से ही निर्यातकों को रिफंड मिलने में दिक्कत का सामना करना पड़ा है। यह दिक्कत छोटी और मझोली निर्यातक मैन्यूफैक्चरिंग कंपनियों को ज्यादा परेशान करती है क्योंकि रिफंड नहीं मिलने की सूरत में उनका कैश फ्लो रुक जाता है। इससे उन्हें आगे के ऑर्डर पूरे करने में भी दिक्कत आती है। आज की तारीख में भी निर्यातकों के लगभग 10,000 करोड़ रुपये के जीएसटी रिफंड के दावे लंबित पड़े हैं।

फियो के महानिदेशक अजय सहाय ने दैनिक जागरण को बताया, 'सिंगल अथॉरिटी द्वारा रिटर्न जारी करने का प्रस्ताव एक अच्छी पहल है। निर्यातक लंबे समय से इसकी मांग कर रहे थे। समय पर रिफंड मिलने से निर्यातकों को कारोबारी गतिविधियों को विस्तार देने में मदद मिलेगी। इससे मैन्यूफैक्चरिंग करने वाली कंपनियों को भी राहत मिलेगी।' फियो का मानना है कि सरकार का यह कदम सुस्त होती इकोनॉमी के लिए भी मददगार साबित होगा।

उल्लेखनीय है कि 23 अगस्त को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एलान किया था कि एमएसएमई सेक्टर के सभी लंबित जीएसटी रिफंड 30 दिनों के भीतर जारी किए जाएंगे और आगे चलकर जो भी रिफंड होगा उसे दो माह के भीतर जारी कर दिया जाएगा। इसके बाद सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्स एंड कस्टम (सीबीआइसी) ने एक से 22 सितंबर तक रिफंड जारी करने के लिए अभियान शुरू किया है। इसके तहत निर्यातकों के लंबित जीएसटी रिफंड जारी किए जा रहे हैं।

कश्मीर के पंचों-सरपंचों को मोदी सरकार देगी सुरक्षा और दो लाख का बीमा कवर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▶ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिया भरोसा

▶ राज्य के हर गांव के पांच युवकों को सरकारी नौकरी देने का वादा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को नई दिल्ली में जम्मू-कश्मीर के विभिन्न जिलों से आए पंच और सरपंचों के साथ बैठक की। — एएनआइ

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद राज्य की स्थिति को तेजी से सामान्य बनाने में जुटी केंद्र सरकार ने बड़ा एलान किया है। इसके तहत आतंकियों के खौफ से मुकाबला कर रहे जम्मू-कश्मीर के पंचों और सरपंचों को सरकार अब सुरक्षा भी देगी। साथ ही उन्हें दो लाख का जीवन बीमा भी दिया जाएगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर से आए डेढ़ दर्जन पंचों और सरपंचों से मुलाकात में यह बात कही। साथ ही उन्होंने भर्तियों में प्रत्येक गांव के कम से कम पांच युवकों को सरकारी नौकरी देने की मांग को भी पूरा करने का भरोसा दिया। राज्य के भाईचारे और सौहार्द को मजबूत बनाने के लिए बाकी सुझावों पर भी अमल का भरोसा दिया। गृहमंत्री से भेंट करने आए दल में शामिल कुपवाड़ा के सरपंच और कश्मीर विवि छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष मीर जुनैद ने कहा, गृह मंत्री से भेंट अच्छी रही है। उन्होंने हमें सुरक्षा मुहैया कराने का भरोसा दिया है।

श्रीनगर जिले के हरवन गांव के सरपंच जुबेर निशाद भट ने बताया कि सुरक्षा के साथ सभी पंच और सरपंचों को दो लाख की बीमा देने का भी गृह मंत्री ने भरोसा दिया है। गृह मंत्री ने अगले 15-20 दिनों में राज्य में मोबाइल सेवा शुरू हो जाने की भी जानकारी दी है। जुनैद ने बताया कि शाह ने जम्मू-कश्मीर के हालात पूरी तरह से बदलने का भरोसा दिया है। जिसे वह पूरा करने में जुटे हुए हैं। राज्यों में पिछले छह सालों के बाद पंचायत के चुनाव इस दिशा में एक बड़ा कदम है। बैठक में मौजूद रहे पीएमओ में मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि प्रत्येक गांव के पांच युवकों को नौकरी देने का फैसला मेरिट के आधार पर होगा। प्रदेश में लगे प्रतिबंध भी धीरे-धीरे खत्म किए जाएंगे। कुलगाम की सरपंच ने ढाई हजार रुपये वेतन बढ़ाने की मांग की और गृहमंत्री ने उन्हें भी विचार का भरोसा दिया।

ध्यान रहे कि कुछ महीने पहले ही साढ़े चार हजार पंचायतों में 35 हजार पंच और सरपंच चुनकर आए थे। केंद्र की ओर से विकास का जो रोडमैप तैयार किया जा रहा है उसके क्रियान्वयन में भी ये पंच अहम भूमिका निभाएंगे।

13-14 पुलिस स्टेशनों पर ही निषेधाज्ञा पेज>>6

कमजोर आंकड़ों के चलते बाजार धड़ाम, सेंसेक्स 770 अंक टूटा

▶ ऑटो सेक्टर के खराब प्रदर्शन और ग्लोबल संकेतों से निवेशकों में निराशा

▶ दिन के कारोबार के दौरान निवेशकों ने गंवाए 2.55 लाख करोड़ रुपये

मुंबई, प्रेट्र : पिछले सत्र में बढ़त दर्ज करने वाले घरेलू शेयर बाजारों ने मंगलवार को गोता लगा लिया। कमजोर आर्थिक आंकड़ों, 10 सरकारी बैंकों के विलय से निवेशकों में उपजी आशंका और ग्लोबल ट्रेड वार के असर से प्रमुख शेयर बाजारों में गिरावट दर्ज की गई। बीएसई का सेंसेक्स 769.80 अंक (2.06 परसेंट) गिरकर 36,562.91 पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 225.35 अंकों के गोता के साथ 10,797.90 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स में सबसे बड़ी गिरावट आइसीआइसीआइ बैंक, टाटा स्टील, वेदांता, एचडीएफसी बैंक, टाटा मोटर्स, आरआइएल और ओएनजीसी के शेयरों में दर्ज की गई। इन कंपनियों के शेयर 4.45 परसेंट तक लुढ़क गए। आइटी कंपनियों टेक महिंद्रा और एचसीएल के शेयर मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। बड़ी बिकवाली के चलते दिन के कारोबार में निवेशकों को 2.55 लाख करोड़ का भारी नुकसान उठाना पड़ा। एमके वेल्थ मैनेजमेंट के रिसर्च हेड जोसेफ थॉमस के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर में बड़ी गिरावट, कोर सेक्टर के खराब प्रदर्शन और ट्रेड वार के कारण बाजार बुरी तरह से प्रभावित हुआ। सरकार ने इकोनॉमी को गति देने के लिए कई सुधारात्मक कदम उठाए हैं, लेकिन ऑटोमोबाइल के साथ अन्य कोर सेक्टर से आ रहे कमजोर आंकड़ों के चलते निवेशकों में निराशा का माहौल रहा।

रुपये ने लगाया गोता : कमजोर आंकड़ों का असर रुपये पर भी दिखा। दिन के कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इस दौरान रुपया 97 पैसे कमजोर होकर एक डॉलर के मुकाबले 72.39 के स्तर पर बंद हुआ।

वायुसेना के बेड़े में आठ अपाचे हेलीकॉप्टर शामिल

जागरण संवाददाता, पठानकोट

पंजाब के पठानकोट एयरबेस पर मंगलवार को वाटर कैनन से सलामी और विधिवत पूजा अर्चना के साथ आठ 'अपाचे एएच-64-ई' लड़ाकू हेलीकॉप्टर भारतीय वायुसेना में शामिल किए गए। एयरबेस पर आयोजित समारोह में एयर चीफ मार्शल बीएस धनोआ बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। अमेरिकी कंपनी बोइंग के अधिकारी ने समारोह में हेलीकॉप्टर की प्रतीकात्मक चाबी वायुसेना प्रमुख को सौंपी।

वायुसेना प्रमुख ने इस मौके पर कहा, 'अपाचे हेलीकॉप्टर आने से वायुसेना और ताकतवर हो गई है। हम दुश्मन के छक्के छुड़ा देंगे। यह नए हेलीकॉप्टर, पुराने हो रहे एमआइ-35 हेलीकॉप्टर को रिप्लेस करेंगे। अमेरिका की बोइंग कंपनी से भारत ने 2015 में 22 अपाचे खरीदने का सौदा किया था, जिनमें से आठ वायुसेना को मिल गए हैं। मार्च 2020 तक 14 अन्य हेलीकॉप्टर भी वायुसेना को मिल जाएंगे।' धनोआ ने बताया कि अन्य अपाचे हेलीकॉप्टर भी पश्चिमी कमान में तैनात किए जाएंगे। अपाचे का भारतीय वायुसेना में शामिल होना इसके आधुनिकीकरण की दिशा में अहम कदम है।

पंजाब के पठानकोट में मंगलवार को 'अपाचे एएच-64-ई' लड़ाकू हेलीकॉप्टर को विधिवत रूप से पूजा के साथ भारतीय वायुसेना में शामिल किया गया। — प्रेट्र

▶ पाक सीमा के करीब पठानकोट एयरबेस में किए गए हैं तैनात

▶ पुराने हो रहे एमआइ-35 हेलीकॉप्टरों की लेंगे जगह

▶ अपाचे से छुड़ा देंगे दुश्मन के छक्के : धनोआ

यह आधुनिक तकनीक से लैस हैं और किसी भी मौसम, दिन-रात में तेजी से कार्रवाई करने में भी सक्षम हैं।

नहीं पहुंच पाए रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री : अपाचे हेलीकॉप्टर को वायुसेना में शामिल करने के समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह शामिल नहीं हो सके। समारोह में पायलटों ने चार अपाचे हेलीकॉप्टरों को उड़ाकर इनकी खूबियों को प्रदर्शित भी किया।

पाक सीमा से महज 35 किलोमीटर दूर है पठानकोट एयरबेस : अपाचे हेलीकॉप्टर को पठानकोट एयरबेस पर तैनात किया गया है, जिससे पाकिस्तान की सीमा महज 35 किलोमीटर दूर है। ऐसे में यह भारत का सबसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण एयरबेस है। दो जनवरी 2016 को पठानकोट एयरबेस पर आतंकी हमला हुआ था। ऐसे में सुरक्षा कारणों से वायुसेना ने सबसे पहले अपाचे को यहीं तैनात किया है। (पेज-6 भी देखें)

क्या है इसकी खासियत

- अपाचे को किसी भी राडार से पकड़ पाना मुश्किल है।
- 280 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से उड़ सकता है।
- एजीएम-114 हेलीफायर मिसाइल से लैस है। एक मिनट में 128 लक्ष्यों को निशाना बना सकता है।
- इसमें 30 एमएम चेन गन में 1200 राउंड वेपन सिस्टम भी होगा।
- हवा से जमीन पर मार करने वाले रॉकेट दागने और मिसाइल ढोने में भी सक्षम।
- संयुक्त डिजिटल संचालन की सुविधा।

मिशन चंद्रयान-2

चंद्रमा के और निकट पहुंचा अपना लैंडर 'विक्रम'

इसरो अध्यक्ष सिवन ने कहा, चंद्रमा पर लैंडर के उतरने का क्षण 'बहुत कठिन' होगा लैंडर को आज चंद्रमा की सबसे निचली कक्षा में उतारा जाएगा, सात सितंबर को दक्षिणी ध्रुव पर होगी सॉफ्ट लैंडिंग

बेंगलुरु, प्रेट्र : भारत के दूसरे मून मिशन पर निकला चंद्रयान-2 अब चांद से चंद कदम दूर रह गया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर से अलग होने के एक दिन बाद लैंडर 'विक्रम' को पहली बार चंद्रमा की निचली कक्षा में उतारने का पहला चरण मंगलवार को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया। कक्षा में बदलाव का आखिरी चरण बुधवार को पूरा किया जाएगा, उसके बाद सात सितंबर को चंद्रयान-2 की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग होगी।

इसरो ने बताया, 'चंद्रयान-2 को निचली कक्षा में ले जाने का कार्य मंगलवार सुबह भारतीय समयानुसार 8 बजकर 50 मिनट पर सफलतापूर्वक और पूर्व निर्धारित योजना के तहत किया गया। यह प्रकिया कुल चार सेकेंड की रही।' एजेंसी के बताया, 'लैंडर विक्रम की कक्षा 104 किलोमीटर गुना 128 किलोमीटर है। ऑर्बिटर एवं लैंडर पूरी तरह से ठीक हैं। एक बार फिर चार सितंबर को भारतीय समयानुसार तड़के तीन बजकर 30 मिनट से लेकर चार बजकर 30 मिनट के बीच इसकी कक्षा में कमी की जाएगी।'

सोमवार को लैंडर विक्रम ऑर्बिटर से सफलतापूर्वक अलग हुआ था। योजना के तहत 'विक्रम' और उसके भीतर मौजूद रोवर 'प्रज्ञान' के छह व सात सितंबर की दरम्यानी रात डेढ़ बजे ढाई बजे के बीच चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने की उम्मीद है।

तीन दिनों तक सघन निरीक्षण : बुधवार को लैंडर विक्रम को चंद्रमा की सबसे नजदीकी कक्षा में भेजने के बाद तीन दिनों तक उसका निरीक्षण किया जाएगा। सात सितंबर की सॉफ्ट लैंडिंग से पूर्व उसके हर उपकरणों की जांच की जाएगी। आखिरी क्षण तक यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कहीं गड़बड़ी न रह जाए।

नई जानकारियां मिलेंगी : रोवर 'प्रज्ञान' अपने एक चंद्र दिवस के अनुसंधान में कई तरह की खोज करेगा। वह अभियान के दौरान चंद्रमा की सतह की रासायनिक संरचना का पता लगाएगा। चंद्रमा पर मौजूद खनिजों के बारे में जानकारी एकत्र करेगा। वहां के वातारण, पानी की मौजूदगी, थर्मो-भौतिकी विशेषताओं, चंद्रमा की उत्पति इत्यादि का भी अध्ययन करेगा।

अभी बाकी है सबसे जटिल प्रक्रिया

इसरो के अध्यक्ष के. सिवन ने कहा कि चंद्रमा पर लैंडर के उतरने का क्षण 'खौफनाक' होगा क्योंकि एजेंसी ने पहले ऐसा कभी नहीं किया है जबकि चंद्रयान-1 मिशन में यान को निचली कक्षा में ले जाने का काम पहले भी सफलतापूर्वक किया गया था।

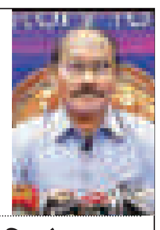

चार घंटे बाद निकलेगा 'प्रज्ञान'

चंद्रमा की सतह पर उतरने के चार घंटे बाद लैंडर विक्रम से रोवर प्रज्ञान सुबह पांच बज कर 30 मिनट से छह बज कर 30 मिनट के बीच निकलेगा और एक चंद्र दिवस के बराबर चंद्रमा की सतह पर रहकर परीक्षण करेगा।

चांद का दिन पृथ्वी के 14 दिन के बराबर

वैज्ञानिकों ने बताया कि चंद्रमा का एक दिन पृथ्वी के 14 दिनों के बराबर होता है। लैंडर का भी मिशन जीवनकाल एक चंद्र दिवस के बराबर ही होगा जबकि ऑर्बिटर एक साल तक काम करेगा।

सॉफ्ट लैंडिंग इसरो के इतिहास का सबसे कठिन काम : नायर

इसरो के पूर्व अध्यक्ष जी माधवन नायर ने कहा है कि चंद्रमा पर चंद्रयान-2 की सॉफ्ट लैंडिंग एजेंसी के इतिहास का सबसे कठिन काम होगा। हालांकि, उन्होंने इसकी सफलता को लेकर सौ फीसद भरोसा जताया। चंद्रयान-1 की सफलता के शिल्पी रहे नायर ने कहा कि ऑर्बिटर से लैंडर के अलग होने के बाद से ही असल और सबसे मुश्किल काम शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही कठिन अभियान है। उन्हें नहीं लगता कि इससे पहले किसी देश ने इस तरह का कठिन काम किया होगा।

प्रवर्तन निदेशालय ने कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कर्नाटक कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पार्टी के संकटमोचक माने जाने वाले डीके शिवकुमार को मनी लांड्रिंग मामले में गिरफ्तार कर लिया। सिद्दरमैया और कुमारस्वामी सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे और कनकपुरा विधानसभा सीट से वर्तमान विधायक शिवकुमार मंगलवार को पूछताछ के लिए चौथे दिन ईडी के सामने पेश हुए थे।

ईडी के अधिकारियों ने बताया कि कांग्रेस नेता को हिरासत में लेकर पूछताछ करने की जरूरत थी, इसीलिए मंगलवार को पूछताछ के बाद उन्हें मनी लांड्रिंग अधिनियम के गिरफ्तार कर लिया गया। ईडी उन्हें बुधवार को अदालत में पेश करेगी। शिवकुमार 30 अगस्त को पहली बार ईडी के सामने पेश हुए थे। विमान के जरिये बेंगलुरु से दिल्ली पहुंचने के बाद उन्होंने ईडी की जांच में सहयोग करने की बात कही थी।

जैसे ही शिवकुमार की गिरफ्तारी की खबर ईडी कार्यालय के बाहर मौजूद उनके समर्थकों को मिली तो वह नारेबाजी करने लगे। शिवकुमार को मेडिकल के लिए ले जाते समय जांच एजेंसी को समर्थकों के विरोध का सामना करना पड़ा।

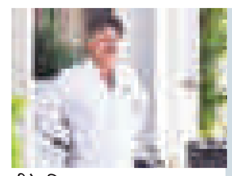

डीके शिवकुमार — फाइल फोटो

मनी लांड्रिंग एक्ट में हुई गिरफ्तारी, आज कोर्ट में किया जाएगा पेश

> मैं अपने भाजपा के मित्रों को मुझे गिरफ्तार करने के अपने मिशन में सफल होने के लिए बधाई देता हूं। मेरे खिलाफ आइटी और ईडी के मामले राजनीति से प्रेरित हैं और मैं भाजपा की प्रतिशोध की राजनीति का शिकार हुआ हूं।
>
> –डीके शिवकुमार, गिरफ्तारी के बाद उनके ट्विटर हैंडल से किया गया ट्वीट

पिछले साल सितंबर में दर्ज किया था केस पेज>3